2.राज्य एवं रास्ट्र की आय

1. कुल (सकल) घरेलू उत्पाद क्या है?

उत्तर - किसी देश के सामान्य निवासियों द्वारा अपनी भौगोलिक सीमा के अंतर्गत एक लेखावर्ष में उत्पादित अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं के मौद्रिक मूल्य को कुल (सकल) घरेलू उत्पाद कहा जाता है। इसमें देश के नागरिकों तथा गैर-नागरिकों के अंशदान को शामिल किया जाता है। इसका मापन राष्ट्रीय सांख्यिकीय एजेंसी द्वारा किया जाता है। यह किसी भी देश के जीवन स्तर का एक संकेतक होता है।

2. राज्य घरेलू उत्पाद क्या है ?

उत्तर - राज्य घरेलू उत्पाद किसी राज्य में उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं का मौदिक या बाजार मूल्य है। दूसरे शब्दों में, यह राज्य की भौगोलिक सीमाओं के अंदर एक लेखावर्ष में उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का मौद्रिक मूल्य होता है। इसमें प्राथमिक, द्वितीयक तथा तृतीयक तीनों ही क्षेत्रों द्वारा उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य सम्मिलित रहता है। राज्य के इन विभिन्न क्षेत्रों के उत्पादन में वृद्धि होने से राज्य की आय में भी वृद्धि होती है। हमारे देश के जिन राज्यों का सकल अथवा कुल राज्य घरेलू उत्पाद अधिक है उन्हें विकसित राज्यों की संज्ञा दी जाती है।

3. "उत्पादन, आय एवं व्यय एक चक्रीय प्रवाह का निर्माण करता है।" स्पष्ट करें।

उत्तर - एक द्विक्षेत्रीय अर्थव्यवस्था (जिसमें सिर्फ फर्म और परिवार सम्मिलित हों) में उत्पादन का कार्य फर्म, परिवार द्वारा प्रदान की गई भूमि, श्रम, पूँजी तथा साहस की सहायता से होता है। फर्म, परिवार के कार्य के बदले उत्पादन के संसाधनों पर मजदूरी, ब्याज एवं लाभ प्रदान करता है। एक रुपये मूल्य के उत्पादन का अर्थ है एक रुपये के संसाधन को खरीदने के लिए उतने ही मूल्य की आय का सृजन । परिवार इस आय का प्रयोग फर्मों द्वारा उत्पादित वस्तुओं के क्रय पर करता है।

इस तरह, उत्पादन, आय एवं व्यय के चक्रीय प्रवाह का निर्माण होता है, जहाँ कुल आय = कुल व्यय = कुल उत्पादन।

4. कुल राष्ट्रीय उत्पाद से आप क्या समझते हैं?

उत्तर - किसी देश में एक लेखावर्ष के अंदर जिन वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन तथा विनिमय होता है, उनके बाजार मूल्यों को हम कुल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) कहते हैं। यहाँ यह ध्यान रखना चाहिए कि कुल राष्ट्रीय उत्पाद में केवल वे ही वस्तुएँ सम्मिलित हैं, जो उपभोक्ताओं द्वारा प्रत्यक्ष अथवा अंतिम रूप में उपभोग की जाती हैं। उदाहरण के लिए, कपड़ा अंतिम वस्तु है जिसका उपभोग के लिए प्रत्यक्ष रूप से प्रयोग किया जाता है, किंतु कपास या सूत अंतिम वस्तु नहीं है। इस प्रकार, कुल राष्ट्रीय उत्पाद की जानकारी प्राप्त करने के लिए वस्तुओं और सेवाओं की गणना केवल एक ही बार होनी चाहिए। दूसरी ध्यान देने की बात यह है कि कुल राष्ट्रीय उत्पाद में केवल चालू वर्ष में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य ही शामिल रहता है।

5. राष्ट्रीय आय क्या है तथा इसका सृजन किस प्रकार होता है ?

उत्तर - यदि किसी देश के प्राकृतिक संसाधनों पर श्रम और पूँजी लगाकर उनका उपयोग किया जाता है तो उससे प्रत्येक वर्ष एक निश्चित मात्रा में वस्तुओं और है तथा सेवाओं का उत्पादन होता है। सरल शब्दों में, यह देश की राष्ट्रीय आय है। इस प्रकार, राष्ट्रीय आय एक निश्चित अवधि में देश के संपूर्ण उत्पादन का मौद्रिक मूल्य वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन से ही इसका सृजन होता है। आय एक प्रवाह है तथा कुल राष्ट्रीय उत्पादन का प्रवाह ही कुल राष्ट्रीय आय का प्रवाह उत्पन्न करता है। इस प्रकार, कुल राष्ट्रीय आय और कुल राष्ट्रीय उत्पादन दोनों एक-दूसरे के बराबर होते हैं।

भारत की राष्ट्रीय आय एक वर्ष में भारतीयों द्वारा अर्जित वेतन / मजदूरी, लगान, ब्याज एवं लाभ का योग है।

6. सकल राज्य घरेलू उत्पाद तथा शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - राज्य घरेलू उत्पाद का आकलन प्रायः दो आधारों पर किया जाता है सकल राज्य घरेलू उत्पाद तथा शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद । सकल राज्य घरेलू उत्पाद किसी राज्य के भीतर एक लेखावर्ष में उत्पादित समस्त वस्तुओं और सेवाओं का मौद्रिक मूल्य होता है। परंतु, इस सकल राज्य घरेलू उत्पाद को प्राप्त करने में मशीन आदि की घिसावट होती है तथा कुछ व्यय करना पड़ता है। सकल घरेलू उत्पाद में से व्यय के इन मदों को घटाने के बाद जो शेष राशि बच जाती है वह शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद है। राज्य के नागरिकों की प्रतिव्यक्ति आय और उनका जीवन-स्तर मुख्यतः इसी पर निर्भर करता है।

7. कुल राष्ट्रीय उत्पादन और शुद्ध राष्ट्रीय उत्पादन में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर - किसी भी देश में एक लेखावर्ष के अंतर्गत जिन वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन होता है उनके मौद्रिक मूल्य को कुल राष्ट्रीय उत्पादन कहते हैं। लेकिन, इस कुल राष्ट्रीय उत्पादन को प्राप्त करने में कुछ खर्च करना पड़ता है । उत्पादन की क्रिया को जारी रखने के लिए बार-बार चल पूँजी खरीदनी पड़ती है तथा घिसावट के कारण मशीन आदि को बदलना पड़ता है। इस प्रकार, कुल राष्ट्रीय उत्पादन में से व्यय के इन मदों को घटाने के बाद जो शेष बचता है, वह शुद्ध राष्ट्रीय उत्पादन है।

8. बिहार की प्रतिव्यक्ति आय कम होने के क्या कारण हैं? बिहार के किस जिले प्रतिव्यक्ति आय सबसे अधिक और किस जिले की सबसे कम है?

उत्तर - बिहार की गणना देश के सर्वाधिक पिछड़े हुए राज्यों में की जाती है इसकी प्रतिव्यक्ति आय बहुत कम है। इसका प्रधान कारण यहाँ की कृषि की पिछड़ी हुई अवस्था तथा राज्य में उद्योग-धंधों का अभाव है। इसके फलस्वरूप बिहार का राज्य घरेलू उत्पाद बहुत कम है। देश के अन्य राज्यों की तुलना में बिहार में जनसंख्या की वृद्धि दर भी अपेक्षाकृत अधिक है। राज्य की जनसंख्या में 2001-11 की अवधि में 25.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि संपूर्ण भारत के लिए यह वृद्धि दर 17.7 प्रतिशत थी।

बिहार सरकार के 2020-21 के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, 2018-19 में पटना जिले की प्रतिव्यक्ति आय सबसे अधिक तथा शिवहर जिले की प्रतिव्यक्ति आय सबसे कम थी।

9. बिहार के राज्य घरेलू उत्पाद में किस क्षेत्र का सर्वाधिक योगदान होता है ? बिहार राज्य की वर्तमान विकास दर क्या है?

उत्तर - बिहार के राज्य घरेलू उत्पाद में कृषि, उद्योग, व्यापार, संचार, परिवहन आदि विभिन्न क्षेत्रों द्वारा उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य सम्मिलित रहता है। राज्य के इन सभी क्षेत्रों के उत्पादन में वृद्धि होने से राज्य की आय में भी वृद्धि होती है। विगत वर्षों के अंतर्गत बिहार के प्राथमिक क्षेत्र के उत्पादन में कमी हुई है जिसका प्रमुख कारण कृषि की उपज में गिरावट है। द्वितीयक अथवा औद्योगिक क्षेत्र के उत्पादन में कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ है तथा राज्य के घरेलू उत्पाद में इस क्षेत्र का सबसे न्यून योगदान होता है। वर्तमान में बिहार के राज्य घरेलू उत्पाद

में सेवा क्षेत्र का अंशदान सर्वाधिक है जिसमें संचार सेवाएँ, बैंकिंग तथा व्यापार महत्त्वपूर्ण हैं। 2019-20 की अवधि में बिहार की विकास दर 7.4 प्रतिशत रही है।

10. क्या बिहार की प्रतिव्यक्ति आय में कृषि का योगदान सर्वाधिक है ?

उत्तर - वित्तीय वर्ष 2020-21 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 20.19 प्रतिशत प्राथमिक क्षेत्र (कृषि, पशुपालन, मछलीपालन आदि), 25.92 प्रतिशत द्वितीयक क्षेत्र (उद्योग) एवं 53.89 प्रतिशत तृतीयक क्षेत्र (सेवा, व्यापार, पर्यटन, दूरसंचार एवं अन्य) से प्राप्त हुआ । आँकड़ों से स्पष्ट है कि प्रतिव्यक्ति आय में कृषि का योगदान सर्वाधिक नहीं है। हालाँकि लगभग 80 प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर आश्रित है। फिर भी, प्रतिव्यक्ति आय का ज्यादा प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। किसी राज्य की प्रतिव्यक्ति आय सकल राज्य घरेलू उत्पाद को जनसंख्या से विभाजित करके प्राप्त होता है।

राज्य एवं राष्ट्र की आय

1. आर्थिक विकास से राष्ट्रीय एवं प्रतिव्यक्ति आय का क्या संबंध है?

उत्तर - राष्ट्रीय आय किसी देश के निवासियों की कुल आय होती है। प्रतिव्यक्ति आय देश के नागरिकों की औसत आय है। कुल राष्ट्रीय आय में कुल जनसंख्या से भाग देने पर जो भागफल आता है, उसे प्रतिव्यक्ति आय कहते हैं। किसी देश के आर्थिक विकास में राष्ट्रीय एवं प्रतिव्यक्ति आय का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। ये दोनों ही हमारे आर्थिक जीवन, रहन-सहन के स्तर तथा विकास को प्रभावित करते हैं।

आर्थिक विकास का राष्ट्रीय आय से घनिष्ठ संबंध है। किसी भी देश के आर्थिक विकास के लिए राष्ट्रीय आय में वृद्धि आवश्यक है। राष्ट्रीय आय में वृद्धि उपभोग एवं विनियोग की वस्तुओं में होनेवाली वृद्धि का परिचायक है। उपभोग की वस्तुओं की पूर्ति बढ़ने से लोगों का जीवन-स्तर ऊँचा होता है। विनियोग की वस्तुएँ आर्थिक विकास की प्रक्रिया को तीव्र बनाने में सहायक होती हैं तथा इससे हमारी भावी उत्पादन क्षमता बढ़ती है। विकास का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय एवं प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि द्वारा देश के नागरिकों के जीवन-स्तर को ऊँचा उठाना है। सामान्यतया, राष्ट्रीय आय में वृद्धि होने पर देशवासियों की प्रतिव्यक्ति आय भी बढ़ती है। लेकिन, इसके लिए राष्ट्रीय आय का समुचित वितरण आवश्यक है। भारत में राष्ट्रीय आय का वितरण बहुत विषम है तथा इसका एक बड़ा भाग

कुछ थोड़े से व्यक्तियों के हाथ में केंद्रित है। इसके फलस्वरूप देश में व्यापक निर्धनता विद्यमान है। अतः, देश के सामान्य नागरिकों की औसत अथवा प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि के लिए राष्ट्रीय आय में वृद्धि के साथ ही इसका समुचित वितरण भी आवश्यक है।

2. "राष्ट्रीय आय में वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के लिए आवश्यक है।" विवेचना करें।

उत्तर - आज विश्व के सभी अर्द्धविकसित एवं विकासशील देशों का मुख्य उद्देश्य आर्थिक विकास की गति को अधिक तीव्र बनाना है। परंतु, आर्थिक विकास से हमारा अभिप्राय क्या है? आर्थिक विकास का राष्ट्रीय आय से घनिष्ठ संबंध है। किसी भी देश के आर्थिक विकास के लिए राष्ट्रीय आय में वृद्धि आवश्यक है। राष्ट्रीय आय में वृद्धि उपभोग एवं विनियोग की वस्तुओं में होनेवाली वृद्धि का परिचायक है। उपभोग की वस्तुओं की आपूर्ति बढ़ने से लोगों का जीवन-स्तर ऊँचा होता है। विनियोग की वस्तुएँ आर्थिक विकास की प्रक्रिया को तीव्र बनाने में सहायक होती हैं तथा इनसे हमारी भावी उत्पादन क्षमता बढ़ती है। भारत में भी विकास का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय एवं प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि द्वारा देश के नागरिकों के जीवन स्तर को ऊँचा उठाना है। सामान्यतया, राष्ट्रीय आय में वृद्धि होने पर देशवासियों की प्रतिव्यक्ति आय भी बढ़ती है। लेकिन, इसके लिए राष्ट्रीय आय का समुचित वितरण आवश्यक है। हमारे देश में राष्ट्रीय आय का वितरण बहुत विषम है तथा इसका एक बड़ा भाग कुछ थोड़े से व्यक्तियों के हाथ में केंद्रित है। इसके फलस्वरूप, देश में व्यापक निर्धनता विद्यमान है तथा अधिकांश भारतवासियों का जीवन-स्तर बहुत निम्न है। अतः, देश के सामान्य नागरिकों का जीवन-स्तर सुधारने के लिए राष्ट्रीय आय का समुचित वितरण आवश्यक है।

3. राष्ट्रीय आय की गणना का महत्त्व बताएँ।

उत्तर - राष्ट्रीय आय की माप एवं इसका विवेचन निम्नांकित कारणों से अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है।

(i) **आर्थिक विकास का मापदंड** - राष्ट्रीय आय किसी देश के आर्थिक विकास एवं प्रगति का मापदंड होती है। यदि देश के कुल उत्पादन तथा राष्ट्रीय आय में वृद्धि हो रही है तो सामान्यतः इसका अर्थ यह होगा कि अर्थव्यवस्था विकास की दिशा में अग्रसर है।

(ii) **जीवन-स्तर की जानकारी** - राष्ट्रीय आय के अध्ययन से देशवासियों के जीवन स्तर की भी जानकारी प्राप्त होती है। राष्ट्रीय आय में वृद्धि होने पर प्रतिव्यक्ति आय बढ़ती है। इसके फलस्वरूप, देशवासियों का जीवन-स्तर भी बढ़ता है।

(iii) अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों का ज्ञान - राष्ट्रीय आय के माध्यम से हमें यह पता चलता है कि कृषि, उद्योग, व्यापार आदि अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में क्या परिवर्तन हुए हैं तथा देश की कुल आय में उनका क्या योगदान है।

(iv) समाज में धन का वितरण - राष्ट्रीय आय की गणना से इस बात का भी पता चलता है कि देश में उत्पादित आय एवं संपत्ति का वितरण किस प्रकार हुआ है। राष्ट्रीय आय में वृद्धि होने पर भी यदि समाज में आय का वितरण असमान है तो अधिकांश लोगों के जीवन-स्तर में सुधार नहीं होगा।

(v) आर्थिक नीति-निर्धारण - देश की आर्थिक नीति के निर्धारण में भी राष्ट्रीय आय की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। राष्ट्रीय आय की गणना में एकत्र किए जानेवाले आँकड़ों के आधार पर ही सरकार बजट बनाती है।

4. "भारत में कार्यशील जनसंख्या का अधिकांश भाग कृषि पर निर्भर है।" कारण स्पष्ट करें।

उत्तर - भारत की कार्यशील जनसंख्या का व्यावसायिक वितरण हमारे देश की अर्थव्यवस्था का अविकसित रूप प्रकट करता है। अर्द्धविकसित एवं विकासशील देशों को कार्यशील जनसंख्या का एक बहुत बड़ा भाग प्राथमिक अथवा कृषि क्षेत्र में लगा होता है तथा औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों की संख्या अपेक्षाकृत बहुत कम होती है। इसका कारण स्पष्ट है। अर्द्धविकसित एवं पिछड़े हुए देश के निवासियों की प्रतिव्यक्ति आय बहुत कम होती है तथा इसका एक बहुत बड़ा भाग खाद्यान एवं अन्य अनिवार्य वस्तुओं पर ही खर्च हो जाता है। परिणामतः, औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र की वस्तुओं के लिए इनकी माँग बहुत कम होती है। पूँजी तथा आधुनिक तकनीक के अभाव में इन देशों का औद्योगिक क्षेत्र बहुत छोटा भी होता है तथा इसमें रोजगार की संभावनाएँ कम होती हैं। विकसित देशों की स्थिति इनसे सर्वथा भिन्न होती है।

भारत की कार्यशील जनसंख्या का अधिकांश (55 प्रतिशत से अधिक) भाग कृषि कार्यों में संलग्न है तथा उद्योग और सेवाओं में इसका एक बहुत छोटा भाग कार्यरत है। हमारे देश के औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र का पूर्ण विकास नहीं होने के कारण ही कार्यशील जनसंख्या का एक बहुत बड़ा भाग कृषि एवं इससे संबद्ध क्रियाकलापों द्वारा जीवनयापन करने के लिए बाध्य है।

2.राज्य एवं रास्ट्र की आय

1. जिस देश की राष्ट्रीय आय अधिक होती है वह देश क्या कहलाता है?

(A) अविकसित

(B) विकसित

(C) अर्द्धविकसित

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans: (B)

2. निम्नलिखित में से कौन-सा देश विकसित अर्थव्यवस्था का उदाहरण है?

(A) नेपाल

(B) बांग्लादेश

(C) ब्रिटेन

(D) श्रीलंका

Ans: (C)

3. भूमि का पारिश्रमिक उसकी आय के रूप में क्या प्रकट करता है?

(A) मजदूरी

(B) लगान

(C) ब्याज

(D) वेतन

Ans: (B)

4. भारत में गरीबी रेखा से नीचे रहनेवालों की संख्या है –

(A) 26.8

(B) 27.8

(C) 28.8

(D) 29.8

Ans: (D)

5. बिहार में कुल घरेलू उत्पाद कितना प्रतिशत है?

(A) 8.03

(B) 9.03

(C) 11.03

(D) 10.03

Ans: (C)

6. इनमें से कौन एक बीमारू राज्य नहीं है?

(A) बिहार

(C) कर्नाटक

(B) मध्यप्रदेश

(D) उड़ीसा

Ans: (C)

7. ऊँची विकास दर से

(A) तेजी से समृद्धि होती है

(B) गरीची दूर होती है

(C) देश विकसित देश की श्रेणी में आ जाता है

(D) 'A' और 'B' दोनों

Ans: (D)

8. बिहार की प्रति व्यक्ति आय देश भर में

(A) न्यूनतम है

(B) औसत से अधिक है

(C) अधिकतम है

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans: (A)

9. बिहार के किस जिले का प्रतिव्यक्ति आय सर्वाधिक है?

(A) पटना

(B) शिवहर

(C) गया

(D) नालंदा

Ans: (A)

10. बिहार में सबसे कम प्रति व्यक्ति आय वाला जिला है -

(A) वैशाली

(B) शिवहर

(C) सारण

(D) पटना

Ans: (B)

11. केंद्रीय सांख्यिकी संगठन के अनुसार बिहार की आय में वृद्धि कितना प्रतिशत हुई है?

(A) 11.03%

(B) 10%

(C) 08%

(D) 09%

Ans: (A)

12. भारत में किस राज्य का प्रति व्यक्ति आय सर्वाधिक है?

(A) बिहार

(B) पंजाब

(C) गोवा

(D) हरियाणा

Ans: (C)

13. 2009-10 के अनुसार बिहार की प्रतिव्यक्ति आय है -

(A) 7,875 रु०

(B) 16,119 रु०

(C) 13,211 रु०

(D) 15,254 50

Ans: (B)

14. सन् 2012-13 में भारत की औसत आय प्रतिव्यक्ति थी।

(A) 49.489万。

(B) 41,964 रु

(C) 59,822 रु०

(D) 68,757 रु०

Ans: (D)

15. सन् 2008-2009 के अनुसार भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय कितनी बताई गई थी?

(A) 22.553 रु०

(B) 25,494 रु०

(C) 6,610 रु०

(D) 54,850 रु०

Ans: (B)

16. भारत में सबसे कम आय वाला राज्य कौन है?

(A) गोवा

(B) महाराष्ट्र

(C) बिहार

(D) पंजाब

Ans: (C)

17. बिहार की आय में सर्वाधिक योगदान होता है-

(A) औद्योगिक क्षेत्र का

(B) कृषि क्षेत्र का

(C) सेवा क्षेत्र का

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans: (C)

18. बिहार राज्य में गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोगों की संख्या का प्रतिशत है -

(A) 41.4

(B) 54.4

(C) 64.4

(D) 70,4

Ans: (A)

19. बिहार राज्य की कितनी प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर आधारित है?

(A) 80%

(B) 86%

(C) 70%

(D) 62%

Ans: (B)

20. "एक देश इसलिए गरीब है क्योंकि वह गरीच है।" किस अर्थशास्त्री का कथन है?

(A) प्रो० विन्सोलो

(B) मो० यूनुस

(C) अमर्त्यसेन

(D) रेगनर नर्क्स

Ans: (D)

21. सन् 2012-2013 में बिहार में प्रतिव्यक्ति आय थी।

(A) 28.317 रु०

(B) 26.455 रु०

(C) 59.822 रु०

(D) 68,757 रु०

Ans: (D)

22.गरीबी के कुचक्र को किसने परिभाषित किया है।

(A) रैगनर नर्क्स

(B) प्रो० केन्स

(C) प्रो० फिशर

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans: (A)

23. निम्न में से कौन-सा भारतीय राज्य गरीवी कुचक्र का शिकार है?

(A) केरल

(B) कर्नाटक

(C) बिहार

(D) हरियाणा

Ans: (C)

24. भारत में वित्तीय वर्ष होता है -

(A) 1 जनवरी से 31 दिसंबर तक

(B) 1 जुलाई से 30 जून तक

(C) 1 अप्रैल से 31 मार्च तक

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans: (C)

25. राष्ट्रीय आय का सृजन होता है

(A) विनिमय द्वारा

(B) उत्पादक क्रियाओं द्वारा

(C) वितरण द्वारा

(D) उपभोग द्वारा

Ans: (B)

26. राष्ट्रीय आय निम्न में से किससे संबंधित है?

(A) उपभोग एवं जीवन स्तर में सुधार में

(B) बेरोजगारी एवं गरीबी उन्मूलन से

(C) प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि से

(D) इनमें सभी

Ans: (D)

27. भारत में राष्ट्रीय आय की गणना के अनुमानों क कितने वर्गों में बाँटा गया है?

(A) दो

(B) तीन

(C) चार

(D) पाँच

Ans: (A)

28. राष्ट्रीय आय में सम्मिलित है-

(A) घरेलू उद्योगों की आय

(B) विदेशों से प्राप्त आय

(C) 'A' और 'B' दोनों

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans: (C)

29. राष्ट्रीय आय में वृद्धि होने से प्रति व्यक्ति में .....होती है।

(A) कमी

(B) वृद्धि

(C) स्थिर

(D) संतुलन

Ans: (B)

30. राष्ट्रीय आय का अर्थ है-

(A) सरकार की आय

(B) परिवार को आय

(C) सार्वजनिक उपक्रमों की आय

(D) उत्पादक के साधनों की आय

Ans: (D)

31. भारत में राष्ट्रीय आय की गणना कब प्रारंभ की गई?

(A) 1950-51

(B) 1951-52

(C) 1953-54

(D) 1955-56

Ans: (B)

32. भारत का राष्ट्रीय आय का सर्वप्रथम अनुमान लगाया था|

(A) प्रो० देशमुख ने

(B) जवाहरलाल नेहरू ने

(C)प्रो० महालनोविस ने

(D) दादाभाई नौरोजी ने

Ans: (D)

33. राष्ट्रीय आय समिति का गठन किस वर्ष हुआ था?

(A) 1950

(B) 1949

(C) 1948

(D) 1960

Ans: (B)

34. भारत में राष्ट्रीय आय की गणना के लिए सर्वमान्य प्रमाणित संस्था है -

(A) राष्ट्रीय विकास परिषद

(B) केन्द्रिय सांख्यिकी संगठन

(C) नीति (योजना) आयोग

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans: (B)

35. केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन की स्थापना की गई है -

(A) 1951

(C) 1969

(B) 1950

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans: (A)

36. तीसा की भयानक आर्थिक मंदी की अवधि क्या थी?

(A) 1920-30

(B) 1929-33

(C) 1918-25

(D) 1998-2009

Ans: (B)

37. दादाभाई नौरोजी ने अपनी पुस्तक में भारत की प्रतिव्यक्ति वार्षिक आय (सन् 1868 में) कितना होने का अनुमान लगाया था?

(A) 10 रुपये

(B) 20 रुपये

(C) 50 रुपये

(D) 80 रुपये

Ans: (B)

38. दादा भाई नौरोजी ने सर्वप्रथम राष्ट्रीय आय का अनुमान कब लगाया था?

(A) 1866 to

(B) 1968 ई०

(C)1878 to

(D) 1998

Ans: (A)

39. 2013-14 में भारत की प्रतिव्यक्ति औसत आय थी-

(A) 41.964 रु०

(B) 49.489 रु०

(C) 90.388 रु०

(D) 60.822 रु०

Ans: (C)

40. "पोवर्टी एंड अनब्रिटिश रूल इन इंडिया" किनकी रचना है?

(A) प्रो० केन्स

(B) प्रो० पी० सी० महालनोबिस

(C) प्रो० जोन्स

(D) दादाभाई नौरोजी

Ans: (D)

41. तीसा की भयानक आर्थिक मंदी से उबारने के लिए किसने सुझाव दिया था?

(A) प्रो० केन्स

(B) माल्थस

(C)अमर्त्य सेन

(D) दादा भाई नौरोजी

Ans: (A)

42. आय तथा उपभोग का अंतर :

(A) विनियम कहलाता है

(B) मुद्रा कहलाता है

(C) बचत कहलाता है

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans: (C)

43. भारत की राष्ट्रीय आय का सर्वप्रथम अनुमान किसने लगाया?

(A) महात्मा गाँधी

(B) जाल नेहरू

(C) सरदार पटेल

(D) दादाभाई नौरोजी

Ans: (D)

44. प्रतिव्यक्ति आय द्वारा किसी देश की ..... का पता लगाया जा सकता है।

(A) आर्षिक आय

(B) अर्थिक सम्पन्नता

(C) घरेलू उत्पाद

(D) विकास दर

Ans: (B)

45. नये आँकड़ों के अनुसार अमेरिका का प्रति व्यक्ति आय है-

(A) 46,040 डॉलर

(B) 42,740 डॉलर

(C) 2,360 डॉलर

(D) 870 डॉलर

Ans: (C)

46. प्रति व्यक्ति आय का आशय है:

(A) सम्पूर्ण आय

(B) औसत आय

(C) राष्ट्रीय आय

(D) सीमान्त आय

Ans: (C)

47. निम्नांकित में कौन हमारे रहन-सहन के स्तर को प्रभावित करता है?

(A) राजकीय आप

(B) राष्ट्रीय आप

(C) प्रति व्यक्ति आय

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans: (C)

48. किसी राज्य के नागरिकों का जीवन स्तर निर्भर करता है

(A) शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद पर

(B) सकल घरेलू राज्य उत्पाद पर

(C) 'A' एवं 'B' दोनों

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans: (B)

49. राष्ट्रीय आय जाना जाता है -

(A) उत्पादन गणना विधि से

(B) आय गणना विधि से

(C) व्यावसायिक गणना विधि से

(D) उपरोक्त सभी के द्वारा

Ans: (D)

50. उत्पादन एवं आय गणना विधि आर्थिक दृष्टिकोण से हैं

(A) सहज

(B) वैज्ञानिक

(C) व्यवहारिक

(D) उपर्युक्त तीनों

Ans: (D)

51. राष्ट्रीय आय की गणना की कितनी विधियाँ है?

(A) चार

(B) पाँच

(C) तीन

(D) सात

Ans: (B)

52. समावेशी आर्थिक विकास क्या है?

(A) संतुलित विकास

(B) समाज के गरीब वर्ग का विकास

(C) समाज के पिछड़े वर्ग का विकास

(D) इनमें सभी

Ans: (D)

53. समाज के सभी वर्गों के जीवन स्तर के ऊँचा होने को कहते हैं

(A) आर्थिक विकास

(B) आर्थिक वृद्धि

(C) सतत विकास

(D) समावेशी विकाम

Ans: (D)

54. राष्ट्रीय आप के सूचकांक में वृद्धि होने से लोगों के किस विकास में वृद्धि होगी

(A) सामाजिक विकास

(B) आर्थिक विकास

(C) राजनीतिक विकास

(D) सांस्कृतिक विकास

Ans: (B)